भारत में सामाजिक-आर्थिक विकास एवं नियोजन

Socio-economic Development and Planning in India

डॉ. अनिल कुमार सिन्हा
डॉ. अजीत कुमार यादव

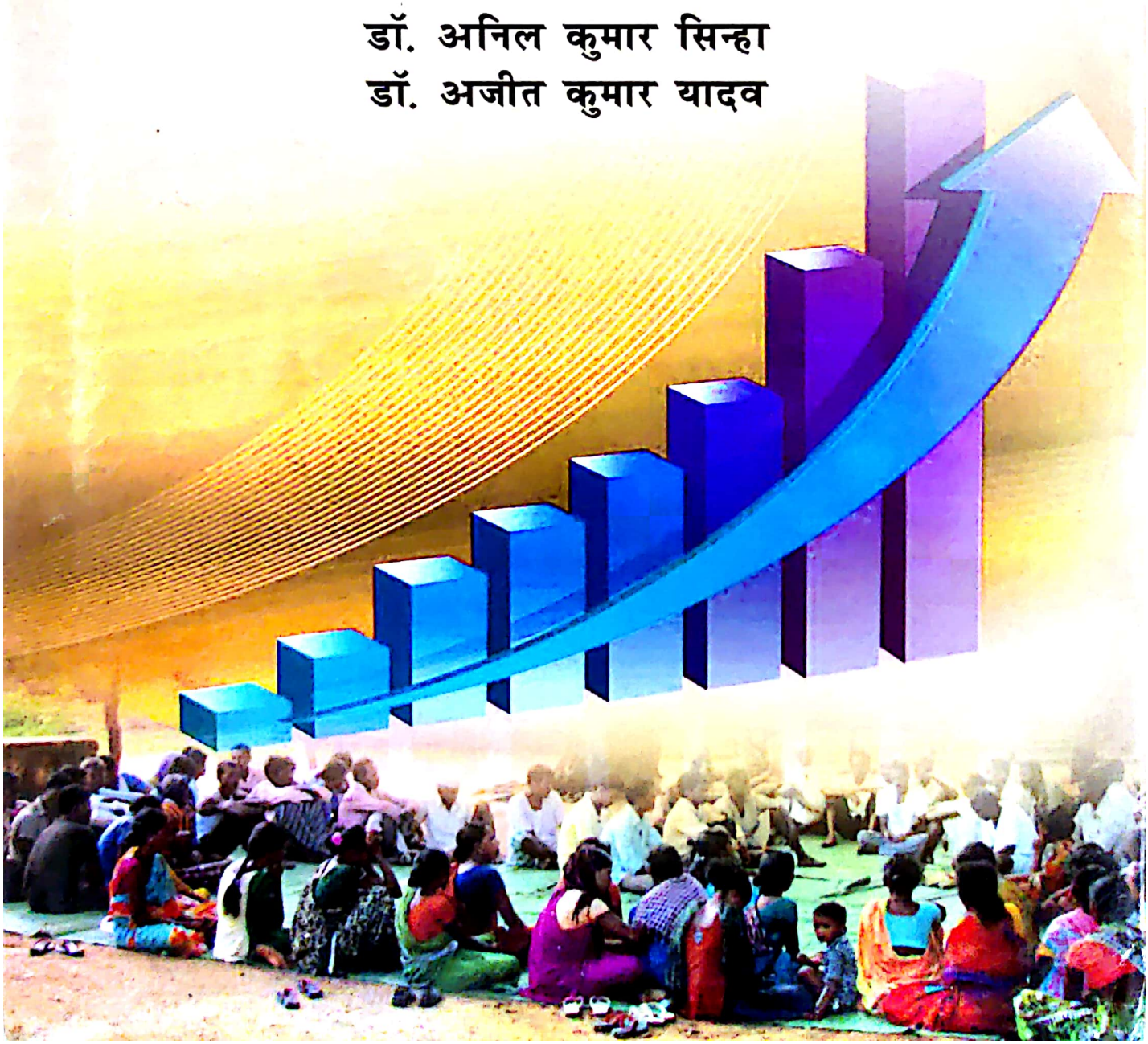

Scanned with OKEN Scanner

भारत में सामाजिक-आर्थिक विकास एवं नियोजन

डॉ. अनिल कुमार सिन्हा
डॉ. अजीत कुमार यादव

गंगा प्रकाशन

Scanned with OKEN Scanner

इस पुस्तक के सर्वाधिकार सुरक्षित हैं। प्रकाशक/लेखक की लिखित अनुमति के बिना इसके किसी भी अंश की फोटोकॉपी एवं रिकार्डिंग सहित इलेक्ट्रोनिक अथवा मशीनी, किसी भी माध्यम से अथवा ज्ञान के संग्रहण एवं पुनर्प्रयोग की प्रणाली द्वारा, किसी भी रूप में पुनरुत्पादित अथवा संचारित -प्रसारित नहीं किया जा सकता।

भारत में सामाजिक-आर्थिक विकास एवं नियोजन

© लेखक

संस्करण : 2023

ISBN 978-93-5514-096-8

₹ 1000

गंगा प्रकाशन

ब्रांच ऑफिस : एल-9ए, गली नं. 42,
सादतपुर एक्सटेंशन, दिल्ली - 110094
हेड ऑफिस : मकान नं. 43, बल्दिहॉ, सैदाबाद,
प्रयागराज, उ.प्र. - 221508
मोबाइल : 8750728055, 8368613868
ई-मेल : prakashanganga@gmail.com

प्रिन्टर्स :
आर्यन ऑफसेट प्रिन्टर्स, दिल्ली

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रमणिका

	प्राक्कथन	v
1	कृषि-विकास के समसामयिक उभरते मुद्दे : भारतीय किसान की व्यथा *—डॉ. श्रीकमल शर्मा*	1
2	हरित क्रांति का सामाजिक-आर्थिक एवं पर्यावरणीय प्रभाव *—डॉ. अनिल कुमार सिन्हा*	42
3	भारत में ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में सूचना प्रौद्योगिकी की भूमिका *—डॉ. अजीत कुमार यादव*	58
4	सरगुजा क्षेत्र, छत्तीसगढ़ में औद्योगिक विकास शक्कर उद्योग के विशेष संदर्भ में *—डॉ. सीमा मिश्रा*	95
5	ग्रामीण विकास: छत्तीसगढ़ राज्य के विशेष संदर्भ में *—मनीष कुमार यादव*	104
6	जनजातीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम: छत्तीसगढ़ के विशेष संदर्भ में *—प्रेमचन्द यादव*	128
7	सामाजिक विकास की आधारशीला साक्षरता: छत्तीसगढ़ राज्य के विशेष संदर्भ में *—दीपिका स्वर्णकार, डॉ. अनिल कुमार सिन्हा*	153

Scanned with OKEN Scanner

8 कार्यशील जनसंख्या का आर्थिक विकास पर प्रभाव छत्तीसगढ़ राज्य के सरगुजा जिला के संदर्भ में 168
—*ओमकार कुशवाहा*

9 मानव जीवन की गुणवत्ता 182
—*डॉ. बन्टेश कुमार मीणा*

10 ग्रामीण विकास एवं नियोजन 192
—*डॉ. रवि कुमार नागर*

11 जल प्रबंधन एवं पर्यावरण संरक्षण 201
—*अनिल कुमार व्यास*

12 अध्ययन क्षेत्र का भौगोलिक व्यक्तित्व 211
—*ललित मीणा, डॉ. एम.जेड. ए. खान*

13 भारतीय समाज और पर्यावरण 223
—*डॉ. मनीषा मिश्रा*

14 बालाघाट जिले में सांस्कृतिक धरोहर एवं पर्यटन विरासत: एक भौगोलिक अध्ययन 236
—*डॉ. मीनाक्षी मेरावी*

15 सामाजिक विकास एवं नियोजन 245
—*डॉ. बाबूलाल कुम्हारे*

16 भौगोलिक पर्यटन एवं विकास 256
—*डॉ. आर. बी. अग्रहरि*

17 छत्तीसगढ़ में आधुनिक कृषि विकास का अध्ययन 273
——*डॉ. अमरेन्द्र, निरंजन कुजूर*

18 Agriculture Economics 294
— *Dr. Sandeep Kumar Pandey*

19 Socio-economic Development and Planning Experience of India and Chhattisgarh 304
— *Dr. Arun Prakash*

Scanned with OKEN Scanner

20 Analyzing the Disparities of Socio-economic Development at Block Level: A Case Study of Jashpur, Chhattisgarh 331
— *Dr. Sharmila Rudra, Ms. Sharmistha Rudra*

21 Socio Economic Condition and Problems of Tribal People in Raigarh District in Chhattisgarh 352
— *Dr. Kajal Moitra, Chandan Kumar Mandal*

Scanned with OKEN Scanner

डॉ. अनिल कुमार सिन्हा, वर्तमान में राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर (छ.ग.) के भूगोल विभाग में कार्यरत है। स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में 33 वर्षों के अध्यापन अनुभव के साथ संत गहिरा गुरू विश्वविद्यालय सरगुजा में 09 वर्षों तक प्रशासनिक दायित्वों का भी निर्वहन किया है। आपके मार्गदर्शन में 05 छात्रों को पी-एच.डी. शोध उपाधि प्राप्त हुआ हैं तथा 03 छात्र शोध अध्ययनरत् है। अब तक आपके 35 शोध पत्र राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशन के साथ-साथ ''भारत में जल संसाधन-विकास एवं नियोजन'' तथा ''भारत में कृषि विकास'' नामक दो पुस्तकें भी प्रकाशित हुए हैं। आपके द्वारा यू.जी.सी. एवं अन्य संस्थाओं के अनेकानेक शोध परियोजनाओं एवं संगोष्ठियों का संचालन किया गया है।

डॉ. अजीत कुमार यादव का जन्म 15 जुलाई 1979 को ग्राम बुढ़नपुर, पोस्ट-शिशुआपार (सादात) जिला-गाजीपुर (उत्तर प्रदेश) में हुआ। आपकी प्रारंभिक शिक्षा ग्राम बुढ़नपुर से हुई है। आपने स्नातक पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर, स्नातकोत्तर एवं पी-एच.डी. की उपाधि दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर उत्तर प्रदेश से प्राप्त की है।

सम्प्रति- आप वर्तमान में सन्त गहिंरा गुरू विश्वविद्यालय सरगुजा अम्बिकापुर (छत्तीसगढ़) से सम्बद्ध गुरूकुल कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय पत्थलगांव जिला-जशपुर (छ.ग.) में विभागाध्यक्ष भूगोल एवं प्राचार्य के पद पर कार्यरत हैं।

अध्यक्ष अध्ययन मंडल : भूगोल विभाग, सन्त गहिरा गुरू विश्वविद्यालय सरगुजा अम्बिकापुर (छत्ती)

पुस्तक- समन्वित ग्रामीण विकास में सेवा केन्द्रों की भूमिका। ग्रामीण भारत में महिला सशक्तिक एवं रोजगार के अवसर: छत्तीसगढ़ के विशेष सन्दर्भ में, पर्यावरणीय चिन्तन : वैश्विक एवं भारतीय परिप्रेक्ष्य में, पर्यावरण अध्ययन, समन्वित ग्रामीण विकास- सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक परिदृश्य नामक पुस्तक में अध्याय प्रकाशित है। राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में दो दर्जन से अधिक शोध पत्र एवं राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में शोध पत्र वाचन किया है।

उपविषय : (1) विकास के बदलते प्रतिमान, (2) विकास की स्थानिक रणनीति (3) औद्योगिक विकास एवं नियोजन (4) कृषि विकास एवं नियोजन (5) सामाजिक विकास एवं नियोजन (6) मानव संसाधन विकास एवं नियोजन (7) ग्रामीण विकास एवं नियोजन (8) मानव जीवन की गुणवत्ता (9) पर्यटन विकास एवं रणनीति (10) आधारभूत ढाँचे का विकास (11) जनजातीय क्षेत्रों के विकास की रणनीति

गंगा प्रकाशन

ब्रांच ऑफिस : एल-9ए, गली नं. 42, सादतपुर एक्सटेंशन, दिल्ली - 110094

हेड ऑफिस : मकान नं. 43, बल्दिहॉ, सैदाबाद, प्रयागराज, उ.प्र. - 221508

मोबाइल : 8750728055, 8368613868 E-mail : prakashanganga@gmail.com

978-93-5514-096

9 789355 140968

1000

Scanned with OKEN Scanner